

त्यागिन् (von त्यज् oder त्याग) adj. P. 3, 2, 142. 1) *verlassend, im Stich lassend, verstossend*: कुल्योषिताम् M. 3, 245. दार° Çāk. 125. Jāgñ. 2, 237. — 2) *aufgebend, verzichtend auf*: यस्तु कर्मफलत्यागी स त्यागी-त्यभिधीयते BHAG. 18, 11. अत्यागिन् im Gegens. zu संन्यासिन् 12. — 3) *aufopfernd, hingebend*: आत्मनः der sich selbst aufopfert, freiwillig in den Tod geht M. 3, 89; vgl. आत्म° = प्रूर Held TRIK. 3, 3, 241. MED. n. 71. — 4) *freigebig* TRIK. MED. R. 6, 107, 6. PAÑKĀT. III, 289. KATHĀS. 9, 78.

त्यागिम (von त्याग) adj. = त्यक्त, त्यागेन निष्पन्नः ÇKDR. WILS.

त्याजक (von त्यज्) adj. der Jmd verlässt, zurückweist, abweist JĀgñ. 2, 198.

त्याज्य (wie eben) adj. P. 7, 3, 66. VĀrti. Vop. 26, 9. 1) *zu verlassen, im Stich zu lassen, zu meiden, zu verstossen, zu entfernen* M. 9, 83. MBH. 5, 1359. R. 5, 87, 26. एष मे शरणागतः । अत्याज्यः KATHĀS. 7, 92. सो ऽ क्वन्नपतिस्त्याज्यः PAÑKĀT. I, 57. 105. त्याज्यो दुष्टः प्रियो ऽ प्यासी-दङ्गुलीवो रगतता RAgh. 1, 28. त्याज्यो ययविनाशावेका वृषभः VARĀH. BH. S. 60, 7. — 2) *aufzugeben*: नोद्यमस्त्याज्यः कदाचित् PAÑKĀT. 42, 43. तस्मादापद्यति त्याज्यं न सत्त्वं संपदेषिभिः KATHĀS. 21, 100. त्याज्यं दोषवदि-त्येके कर्म प्राङ्मर्ननीषिणः । यज्ञदानतपःकर्म न त्याज्यमिति चापरे ॥ BHAG. 18, 3. सुखम् PRAB. 29, 10. अत्याज्यं मदीयं ज्ञीवितं यदि KATHĀS. 17, 60. — 3) *hinzugeben, zu verschenken*: न्यापार्जितं तु देवब्राह्मणेभ्यस्त्याज्यम् DAÇAK. in BENF. CHR. 189, 16. — Vgl. त्यक्तव्यं.

त्यादम् und त्यादश (त्य + दृ°) adj. ein solcher wie jener P. 3, 2, 60. — Vgl. तादम्.

1. त्र (von त्रा) adj. f. घ्रा *schützend* P. 3, 2, 3. in comp. mit dem was geschützt wird oder mit dem wovor geschützt wird; vgl. घंसत्र, घडु-लि°, घातप°, कटि°, कृतत्रा, गिरित्र, गो°, जनत्रा (falsche Form für जलत्रा), जलत्रा, तनुत्र, तल°, लक्त, पार्श्व°, वध°. — Vgl. 2. त्रा.

2. त्र = त्रि drei in द्वित्र.

त्रम्, त्रंसति und त्रंसयति *sprechen oder leuchten* Dhātup. 33, 88.

त्रब्, त्रँवति *gehen, sich bewegen* Dhātup. 3, 30.

त्रङ्, त्रँङ्ते *dass.* Dhātup. 4, 23.

त्रङ्, त्रँङ्ति *dass.* Dhātup. 5, 29.

त्रङ्, त्रँङ्ति *dass.* Dhātup. 3, 42, v. l. für लङ्.

त्रङ्ग m. und त्रङ्गा f. eine bes. Art von Stadt oder N. pr. einer be- stimmten Stadt TRIK. 2, 1, 20. WILS. nach derselben Aut. = हरिश्च-न्द्रपुर, welches aber nach dem Index einen besondern Artikel bildet.

— Vgl. द्रङ्, द्रङ्ग, उद्रङ्, उद्रङ्ग (welches nach dem Index zu TRIK. gleichfalls von हरिश्चन्द्रपुर zu trennen ist), कुद्रङ्, कुद्रङ्ग.

त्रद् (von तर्द्) m. Eröffner, Freimacher: त्रदं वाज्ञस्य गोमंतः RV. 8, 43, 25.

त्रद्, त्रँदति *sich rühren u. s. w.* Dhātup. 3, 32.

त्रप्, त्रँपते *verlegen werden, sich schämen* Dhātup. 10, 12. त्रेपे P. 6, 4, 122. Vop. 8, 52. 107; अत्रपिष्ट oder अत्रपत् 107. पृथग्जनेषु संभाव्यं वर्षाय-त्तस्त्रपामहे RĀGĀ-TAR. 3, 94. त्रँपयति oder त्रँपयति *dass.* Dhātup. 19, 60. als caus. *verlegen machen, beschämen*: अत्रेता भिन्नायामपि किमपि चेत-स्त्रपयति ÇĀNTIC. 4, 15. — Vgl. तृपल, तृप.

— अत्र sich verlegen abwenden, verlegen werden, sich schämen: नापत्रपेत प्रमेषु नाविभाव्यां गिरं सृजेत् MBH. 12, 3491. येनापत्रपते साधुरसाधुस्तेन तुष्यति 3, 110. 5, 262. 2687. 12, 4617. य आत्मनापत्रपते भृशं नरः स सर्व-

लोकस्य गुरुर्भवत्युत 3, 1091. नापत्रपत् पापानि कुर्वत्तः 16, 42. act.: ते ऽपत्रपत्ति तादृग्भ्यस्तथावृत्ता भवन्ति च 12, 958. pass. impers.: बलैरप-त्रेपे BHĀTT. 14, 84. — Vgl. अत्रपण fgg.

— व्यप dass.: भोषयन्सर्वपार्थिवान् न व्यपत्रपसे कस्मात् MBH. 2, 1433. 7, 8848. न व्यपत्रपसे नीच कर्मणानेन R. 3, 39, 3. स त्वं मनुष्यमात्रेण युधि रामेण पातितः । न व्यपत्रपसे स्वतुं किमिदम् 6, 98, 5. व्यपत्रपमाणेव 2, 37, 10. act.: अद्येममनयं कृत्वा व्यपत्रपसि 37, 28. उत्तिष्ठ नाय कालस्ते लज्जितुं मा व्यपत्रप R. GORR. 2, 37, 28. व्यपत्रपन्मनुष्याणां मृग्यां मैथुन-माचारम् MBH. 1, 4585. — Vgl. व्यपत्रपा.

त्रप (von त्रप्) 1) m. *Verlegenheit, Scham*: त्रपाद्योमुखः PAÑKĀT. 84, 8. Gewöhnlich त्रप्या f. P. 3, 3, 104. AK. 1, 1, 3, 23. H. 311. an. 2, 296. MED. p. 7. त्रयोकोपसमीरित MBH. 2, 2239. स्तूपमानस्त्रपा दधे RĀGĀ-TAR. 4, 50. अत्राप्य त्रपाम् RATNĀV. 27, 7. मन्दत्रपाभर Gīr. 12, 1. Unbestimmt ob m. oder f.: त्रपोङ्कता RĀGĀ-TAR. 6, 330. गतत्रप adj. BuāG. P. 8, 8, 29. रोहिद्रूता (स्वां इहिरं) सो ऽन्वधावदप्यत्रपी कृतत्रपः adj. 3, 31, 36. 4, 6, 27. गलितत्रपा adj. SĀH. D. 109. (चेष्टितानि) अधिकलज्जानि, मध्यत्रीडा-नि, संसमानत्रपाणि 60, 13. Vgl. अत्रप, अत्रतत्रप. — 2) f. eine untreue Frau H. an. MED. — 3) f. Geschlecht, Familie. — 4) f. Ruhm ÇABDAR. im ÇKDR.

त्रपाक m. Bez. eines nicht-arischen Volksstammes UNĀDIK. im ÇKDR. त्रपारूपा (त्र° + र°) f. Hure ĠATĀDU. im ÇKDR.

त्रपिष्ठ und त्रपीयंस s. u. तृप.

त्रपु (von त्रप्) n. UNĀDIS. 1, 11. P. 6, 1, 177. Sch. SIDDH. K. 248, 6, 5 v. u. Zinn AK. 2, 9, 106. TRIK. 3, 3, 67. 276. H. 1042. an. 2, 296. MED. p. 6. AV. 11, 3, 8. VS. 18, 13. KĀBAND. UP. 4, 17, 7. M. 5, 114. JĀgñ. 3, 273. त्रप्य-स्यापि मलं त्रपु । त्रेपं त्रपुमलं सीसम् MBH. 5, 1526. R. 1, 38, 20 (GORR. 39, 19). SUÇR. 1, 99, 5. 142, 17. 228, 4. 2, 43, 6. 326, 18. यथा त्रपुताम्रयोः संयोगे धालत्तरस्य कास्यस्योत्पत्तिः Ind. St. 4, 139. कनकभूषणसंयुक्तो-चितो यदि मणिस्त्रपुणि प्रतिबध्यते PAÑKĀT. I, 85. Blei TRIK. 3, 3, 276. H. ç. 159. H. an. MED. Das Zinn heisst viell. verschämt, weil es schon bei geringer Hitze im Augenblick des Schmelzens sich gleichsam scheu zu- sammensieht; vgl. लज्जालु Mimosa pudica. — Vgl. त्रपुष.

त्रपुकर्कटी (त्रपु + क°) f. eine Gurkenart, = त्रपुसी RĀGĀN. im ÇKDR. NIGH. PR.

त्रपुकार्णिन् (von त्रपु + कार्ण) adj. der zinnerne Ohrgehänge hat; m. Bein. Bhavanandin's BUAN. Intr. 238.

त्रपुटी f. kleine Kardamomen RATNAM. im ÇKDR. Unter एला wird nach ders. Aut. त्रपुटी als Synonym aufgeführt; vgl. auch त्रिपुटी.

त्रपुल n. = त्रपु Zinn BHAR. im DVIRŪPAK. ÇKDR.

त्रपुष 1) m. N. pr. eines Kaufmanns LALIT. 356. 360. 363. BUAN. Intr. 389. SCHIEFNER, Lebensb. 246 (16). Nach der tib. Uebers. Gurke oder Me- lone. — 2) f. ई = त्रपुसी ÇKDR. und WILS. angeblich nach H. 1189, wo aber unsere Autoritäten त्रपुसी haben. — 3) n. a) Gurke, die Frucht der Trapushl RĀGĀN. im ÇKDR. — b) = त्रपु Zinn BHAR. im DVIRŪPAK. ÇKDR.

त्रपुस् n. = त्रपु Zinn UNĀDIK. im ÇKDR. H. ç. 159. VJUTP. 138. Ind. St. 2, 262. — Vgl. त्रपुष.

त्रपुस 1) n. a) Gurke, die Frucht der Trapusl KAUC. 28. SUÇR. 1, 29,